नईदुनिया

ईरान ओमान की खाड़ी के नजदीक बनाना चाहता है अपनी नई राजधानी

तेहरान

ईरान अब अपनी राजधानी बदलने की योजना बना रहा है। इसका प्रमुख कारण तेहरान में लगातार बढ़ती जनसंख्या और शहर के संसाधनों पर बढ़ता दबाव है। अधिकारियों के पास इस समस्या का कोई समाधान नहीं है। ऐसे में ईरान ने अपनी राजधानी को ओमान की खाड़ी के नजदीक ले जाने की योजना बनाई है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से कई मौकों पर ईरान की राजधानी को स्थानांतरित करने का विचार सामने आया है, लेकिन वित्तीय और रसद बाधाओं के चलते इसे टाल दिया गया।

पिछले साल जुलाई में पदभार संभालने वाले सुधारवादी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने हाल ही

तेहरान में बढ़ती जनसंख्या और संसाधनों का बढ़ रहा दबाव

में तेहरान की बढ़ती चुनौतियों का हवाला देते हुए इस विचार को फिर से जिंदा कर दिया है। इनमें ट्रैफिक जाम, पानी की कमी, संसाधनों का कुप्रबंधन, अत्यधिक वायु प्रदूषण, साथ ही प्राकृतिक प्रक्रियाओं या मानवीय गतिविधियों के कारण भूमि का धीरे-धीरे डूबना शामिल है। जनवरी में सरकार की प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारी राजधानी के संभावित ट्रांसफर का अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मकरान क्षेत्र पर विचार किया जा रहा है, लेकिन उन्होंने कोई समयसीमा नहीं बताई।

मकरान ओमान की खाड़ी पर एक बहुत बड़ा अविकसित तटीय क्षेत्र है, जो ईरान के दक्षिणी, गरीब सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत और पड़ोसी होर्मोजगन प्रांत के हिस्से में फैला है। इसे ईरान की नई राजधानी के लिए सबसे बेहतर माना जा रहा है। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि मकरान के खोए हुए स्वर्ग को ईरान और क्षेत्र के भविष्य के आर्थिक केंद्र में बदलना होगा। पिछले साल पेजेशकियन ने कहा था कि हमारे पास देश के आर्थिक और राजनीतिक केंद्र को दक्षिण और समुद्र के पास ले जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

तेहरान की समस्याएं मौजूदा नीतियों के जारी रहने से और भी बदतर हो गई हैं। स्थानांतरण योजनाओं के पुनरुद्धार ने उनकी जरुरत पर बहस को फिर से शुरू कर दिया है, जिसमें कई लोगों ने तेहरान के ऐतिहासिक और रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला है। 1786 में आगा मोहम्मद खान कजर द्वारा राजधानी घोषित किया गया तेहरान दो शताब्दियों से ज्यादा समय से ईरान के राजनीतिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है।

गवर्नर मोहम्मद सादेग मोटामेडियन के मुताबिक तेहरान प्रांत में वर्तमान में करीब 18 मिलियन लोग रहते हैं, साथ ही करीब दो मिलियन लोग ऐसे हैं जो यहां आते-जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

ट्रंप प्रशासन ने जारी किया वीडियो, प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीर से बंधा दिखाया

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जनवरी में शपथ ग्रहण के बाद से ही अवैध प्रवासियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया है। अमेरिका में अवैध प्रवासियों को डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन गिरफ्तार कर वापस भेज रहा है। इसमें भारत, मैक्सिको, सल्वाडोर, ब्राजील, कनाडा, कोलंबिया, इक्वाडोर जैसे देशों के नागरिक शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन ने अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए बेहद अमानवीय तरीका अपनाया है। जंजीरों में जकड़कर इन लोगों को सैन्य विमानों से वापस भेजा रहा है। भारत सहित दुनियाभर में इस अमानवीयता का विरोध हो रहा है, लेकिन ट्रंप सरकार इसके बाद भी इस जारी रखे हुए है, बल्कि इसके वीडियो जारी करते हुए बेशर्मी से प्रवासियों का मजाक भी बना रही है। वाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया है। वीडियो में गैरकानूनी प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीर से बांधकर जहाज में बैठाते हुए दिखाया गया है। टेस्ला के सीईओ और ट्रंप के खास सहयोगी एलन मस्क ने वीडियो को रीट्वीट करते हुए हाहा, वाह लिखा है। सोशल मीडिया पर वीडियो आने के बाद कई लोगों ने वीडियो को घृणित और बेशर्मी की हद बताया है। सोशल यूजर्स का कहना है कि गैरकानूनी प्रवासियों को हथकड़ी और जंजीरों से बांधकर उनके देश वापस भेजना और उनका मजाक उड़ाना किसी भी सभ्य समाज के लिए कंलक की तरह है। अमेरिका से भारत लौटे निर्वासितों ने भी अपने साथ हुए खराब बर्ताव का खुलासा किया है। अमेरिका से लौटे लोगों ने बताया है कि उन्हें जंजीरों से बांधा जाता है और मानसिक यातना दी जाती है। अब तक गैरकानूनी भारतीय प्रवासियों को लेकर तीन अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर पहुंच चुके हैं। भारत में लगातार ये मांग हो रही है कि इस तरह से अमानवीय बर्ताव हमारे नागरिकों के साथ बंद किया जाए लेकिन अमेरिका फिलहाल मनमानी पर कायम दिख रहा है।

ट्रंप फाइटर जेट एफ-35 भारत को देने पर बना रहे दबाव, पर मस्क क्यों बता रहे फ्लॉप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट एफ-35 को बेचने का ऑफर दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रंप ने फाइटर जेट को भारत को बेचने का ऐलान किया था। ट्रंप के एफ-35 जेट को लेकर दिए गए ऑफर या दबाव पर भारत अभी बातचीत कर रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि भारत राफेल की तरह से भारत सीमित मात्रा में यह फाइटर जेट अमेरिका से ले सकता है। ट्रंप ने भारत पर यह भी दबाव डालने की कोशिश की है कि वह ज्यादा से ज्यादा हथियार खरीदे। वहीं अब खुद अमेरिका में इसके खिलाफ जांच शुरू हो गई है। यह जांच ट्रंप के करीबी एलन मस्क के विभाग डॉज ने रक्षा मंत्रालय पेंटागन के खिलाफ जांच शुरू की है और 2 ट्रिल्यन डॉलर के एफ-35 प्रोग्राम पर हथौड़ा चलाने की तैयारी है। मस्क सत्ता संभालने से पहले एफ-35 फाइटर जेट को फ्लॉप और इसको बनाने वालों को मूर्ख बता चुके हैं। इससे पहले अमेरिकी वायुसेना के एक शीर्ष अफसर ने एलन मस्क को जवाब दिया था और कहा था कि टेस्ला के मालिक असली युद्ध के लिए फाइटर जेट के मुकाबले ड्रोन की ताकत को ज्यादा आंक कर गलत कर रहे हैं। अमेरिकी वायुसेना चाहे जो कहे लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि मस्क की आलोचना में सच्चाई है। इससे पहले फरवरी 2024 में खुलासा हुआ था कि एफ-35 फाइटर जेट प्रोग्राम तकनीक और क्षमता के वादे को लेकर गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है।

टैटू बनवाने से एड्स, कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा

लंदन। टैटू बनवाने से एड्स, कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। यह खबरें टैटू के

शौकीनों के मन में डर पैदा कर रही हैं। हालांकि, विशेषज्ञों की राय इससे अलग है। डॉक्टरों का कहना है कि टैटू बनवाने से किसी भी बीमारी का सीधा खतरा नहीं होता, लेकिन इसके लिए स्वच्छता का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। यदि टैटू बनवाने में इस्तेमाल होने वाली सुई और अन्य उपकरण पूरी तरह से सेनेटाइज न किए जाएं या किसी संक्रमित व्यक्ति पर इस्तेमाल की गई सुई को दोबारा उपयोग में लाया जाए, तो संक्रमण फैलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में एड्स और हेपेटाइटिस जैसी बीमारियों का खतरा हो सकता है। इसलिए टैटू बनवाने से पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि इस्तेमाल किए जाने वाले उपकरण एकदम स्वच्छ और नए हों।

ट्रंप ने लगाए गंभीर आरोप बोले-बाइडेन मोटी रकम देकर मोदी को चुनाव हराना चाहते थे

वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कम कौन सा कदम उठाएं या कब किस को घेर लें कोई नहीं जानता। उनके बयान और उनके आदेश पूरी दुनिया के लिए पेनिक होते जा रहे हैं। उन्होने अपने ही देश के पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ट्रंप ने लोकसभा चुनाव में मोदी को हराने के लिए बाडडेन करोड़ों की मोटी रकम दे रहे थे। बुधवार रात सऊदी अरब सरकार के प्रायोरिटी समिट को संबोधित करते हुए ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन की सरकार पर भारत में चुनावी हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया।

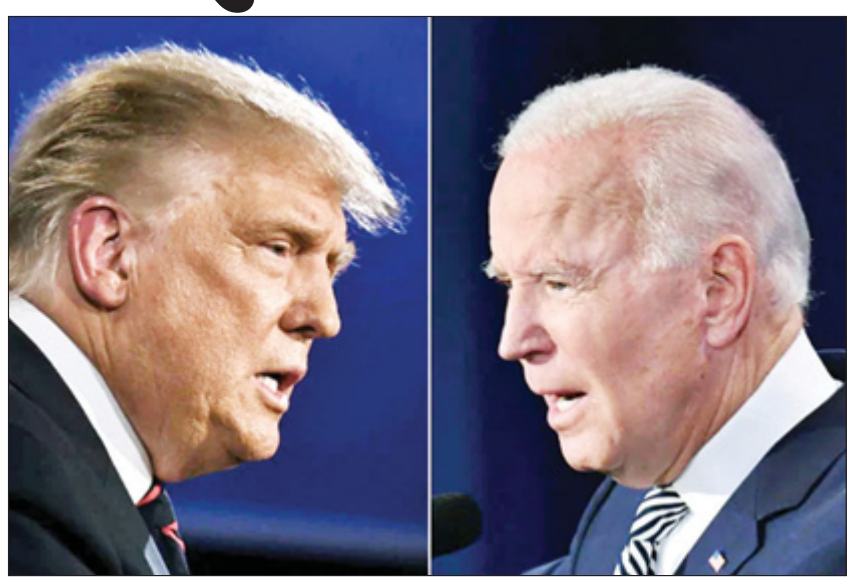

ट्रंप ने कहा, हमें भारत में वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की जरूरत क्यों है मुझे लगता है कि जो बाइडेन किसी और को चुनाव में जिताना चाहते थे। हमें भारत सरकार को यह बताना होगा। यह एक बड़ा मामला है।इससे पहले मंगलवार को भी उन्होंने इस मामले पर सफाई दी थी। डोनाल्ड ट्रंप का कहना था कि के समय में भारत खुद सक्षम हैं। भारत के पास पैसे की कमी नहीं है। ऐसे में उसे फंड क्यों दिया जाए।उन्होंने कहा था, हम भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दे रहे हैं उनके पास बहुत पैसा है। वे दुनिया के सबसे अधिक कर लगाने वाले देशों में से एक हैं। उनके टैरिफ इतने अधिक हैं कि हम वहां व्यापार करने में मुश्किल से प्रवेश कर पाते हैं। मुझे भारत और उनके प्रधानमंत्री के लिए बहुत सम्मान है, लेकिन वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर देना कितना सहीव्हाइट हाउस लौटने के कुछ दिनों बाद डोनाल्ड ट्रंप ने सभी विदेशी सहायता पर लगभग पूर्ण रोक लगाने का आदेश दिया। एलन मस्क ने भी डोजी के यूएसएआईडी को बंद करने की योजना का ऐलान किया। इसका वार्षिक बजट 40 अरब डॉलर से अधिक है। यह विशेष रूप से गरीब देशों में विकास, स्वास्थ्य और मानवीय कार्यक्रमों को समर्थन प्रदान करता है।

ट्रंप के जेलेंस्की को तानाशाह कहने पर यूक्रेन का बच्चा-बच्चा नाराज

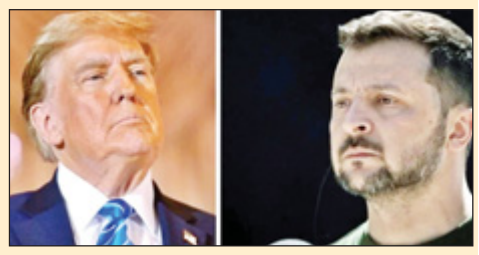

कीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की को बिना चुनाव के तानाशाह कहने पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है। ट्रंप की टिप्पणी से यूक्रेन का बच्चा-बच्चा उनसे नाराज दिख रहा है। यूक्रेन के सभी राजनीतिक दलों ने राजधानी कीव में रैली कर ट्रंप की जमकर निंदा की। खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा था कि जेलेंस्की असफल, अलोकप्रिय व्यक्ति है। इस युद्ध के लिए वह दोषी है। जेलेंस्की की जिद ने सैकड़ों हजारों लोगों को जीवन खत्म कर दिया। लाखों लोग विस्थापित होने को विवश हो गए। ट्रुथ सोशल पर बुधवार को ट्रम्प ने जेलेंस्की को बिना चुनाव के तानाशाह के रूप में वर्णित किया था। ट्रंप का यह बयान तब आया जब जेलेंस्की ने आरोप लगाया कि ट्रंप, रूस के प्रभाव में आ गए हैं और क्रेमलिन के लिए अनुकूल शर्तों पर युद्ध खत्म करना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा, जरा सोचिए, एक मामूली सफल कॉमेडियन जेलेंस्की ने अमेरिका को 350 बिलियन डॉलर खर्च करने के लिए मना लिया। यह ऐसा युद्ध जो जीता नहीं जा सकता। इसे कभी शुरू ही नहीं होना चाहिए था। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में मंगलवार को रूस और अमेरिका के बीच एक बैठक हुई, जिसमें यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई। इस बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया कि जेलेंस्की की लोकप्रियता मात्र चार प्रतिशत रह गई है, जबकि ताजा सर्वे में उनकी अप्रूवल रेटिंग 57 प्रतिशत बताई गई है। इस बैठक के नतीजों को खारिज करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन अपनी भागीदारी के बिना लिए गए किसी भी फैसले को स्वीकार नहीं करेगा।

हृदय में भी मीठे स्वाद के रिसेप्टर मौजूद : अध्ययन

न्यूयॉर्क

हमारे हृदय में भी वही मीठे स्वाद के रिसेप्टर मौजूद होते हैं, जो हमारी जीभ पर होते हैं। हाल ही में हुए एक शोध में वैज्ञानिकों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। अध्ययन में पाया कि जब इन रिसेप्टर्स को मीठे पदार्थों से सक्रिय किया जाता है, तो हृदय की धड़कन पर असर पड़ सकता है।

इस खोज से हृदय के कार्य करने के तरीके को बेहतर समझने और हृदय रोगों के नए इलाज विकसित करने की संभावनाएं खुल सकती हैं। नए अध्ययन में यह पाया गया कि ये रिसेप्टर सिर्फ हृदय की मांसपेशियों में मौजूद ही नहीं होते, बल्कि सक्रिय भी होते हैं। वैज्ञानिकों ने इंसान और चूहे की हृदय कोशिकाओं में कृत्रिम मिठास देने वाले पदार्थ एस्पार्टेम का इस्तेमाल कर इन रिसेप्टर्स को उत्तेजित किया। इससे हृदय की मांसपेशियों के संकुचन की शक्ति बढ़ गई और कैल्शियम को नियंत्रित करने की प्रक्रिया तेज हो गई। ये दोनों ही बातें एक स्वस्थ हृदय के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। अब तक स्वाद रिसेप्टर्स को केवल जीभ से जोड़ा जाता था, लेकिन हाल के शोधों में पाया गया है कि ये शरीर के अन्य हिस्सों में भी मौजूद होते हैं और अलग-अलग कार्य करते हैं। यह पहली बार है जब किसी अध्ययन ने हृदय की मांसपेशियों की सतह पर मीठे स्वाद के रिसेप्टर (टीएएस1आर2 और टीएएस1आर3) की पहचान की है। शोधकर्ता माइका योडर, जो शिकागो की लोयोला यूनिवर्सिटी में अध्ययन कर रहे हैं, बताते हैं, जब हम खाना खाते हैं, तो हृदय गति और रक्तचाप बढ़ता है। पहले यह माना जाता था कि यह सिर्फ तंत्रिका तंत्र के कारण होता है, लेकिन अब वैज्ञानिक मान रहे हैं कि भोजन के बाद रक्त में शर्करा की मात्रा बढ़ने से ये मीठे स्वाद वाले रिसेप्टर सक्रिय हो जाते हैं और हृदय की धड़कन को प्रभावित कर सकते हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन रिसेप्टर्स की संख्या हृदय रोगियों के हृदय में अधिक पाई गई, जिससे यह संकेत मिलता है कि इनका हृदय रोग से कोई संबंध हो सकता है। शोध में यह भी पता चला कि जब ये रिसेप्टर सक्रिय होते हैं, तो हृदय कोशिकाओं में एक विशेष प्रक्रिया शुरू होती है, जिसमें कुछ प्रोटीन कैल्शियम के प्रवाह और मांसपेशियों के संकुचन को नियंत्रित करते हैं। इसके अलावा, यह अध्ययन इस सवाल का भी जवाब दे सकता है कि कृत्रिम मिठास वाले पेय अधिक पीने से हृदय की धड़कन असामान्य क्यों हो सकती है। वैज्ञानिकों ने पाया कि विशेष रूप से एस्पार्टेम जैसे कृत्रिम मिठास वाले पदार्थ इन रिसेप्टर्स को अत्यधिक उत्तेजित कर सकते हैं, जिससे हृदय की धड़कन अनियमित हो सकती है।

आतंकवाद पर भारत ने पाकिस्तान को लताड़ा, चुपचाप सुनता रहा चीन

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में आतंकवाद के मामले पर पाकिस्तान को लताड़ा है। इस बैठक की अध्यक्षता चीन कर रहा था, लेकिन बैठक में भारतीय राजनयिक ने कहा कि भारत लंबे समय से पाकिस्तान में सक्रिय जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों की हरकतों से पीड़ित है। इसके बाद भी जब पाकिस्तान कहता है कि वह दहशतगर्दों से निपटने की कोशिश कर रहा है तो यह बड़ी विडंबना है। बैठक में चीन भारत की बातों को चुपचाप सुनता रहा। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने ग्लोबल गवर्नेंस में सुधार को लेकर एक डिबेट में जम्मू-कश्मीर का जिक्र किया था। इसके बाद जब भारत ने खूब सुनाया और पाकिस्तान को वैश्विक आतंकवाद का केंद्र करार दिया। उन्होंने कहा कि यहां से ऐसे 20 से ज्यादा आतंकी संगठन चल रहे हैं, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंधित सूची में शामिल हैं।

महाभियोगाधीन राष्ट्रपति येओल आपराधिक मुकदमे की प्राथमिक सुनवाई में हुए शामिल

सियोल

दक्षिण कोरिया के महाभियोगाधीन राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ आपराधिक मुकदमे की पहली प्रारंभिक सुनवाई सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में सुबह 10 बजे शुरू हुई। यह 13 मिनट चली। अदालत ने अगली सुनवाई 24 मार्च की तारीख मुकर्रर की। इस दौरान येओल कोर्ट में मौजूद रहे। इसी के साथ येओल आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले देश के पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन गए।

येओल के खिलाफ महाभियोग का मुकदमा भी अंतिम चरण में पहुंच गया है। उन्हें पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा के दौरान विद्रोह के आरोप में दोषी ठहराया जा चुका है। यह आरोप अभियोजन से उनके राष्ट्रपति के रूप में मिले अधिकारों की छूट को खत्म कर देता

है। प्रारंभिक सुनवाई का उद्देश्य मामले के मुख्य विवादों को स्पष्ट करना और भविष्य की कार्यवाही की योजना बनाना है। येओल ने गहरे नीले रंग का सूट और लाल टाई पहनकर अदालत में प्रवेश किया। येओल के कानूनी प्रतिनिधियों ने कहा कि वे आगामी तारीख में आरोपों पर अपना रुख साफ करेंगे। उन्होंने इस पर भी अपना रुख स्पष्ट नहीं किया कि क्या इस मामले को पूर्व रक्षामंत्री किम योंग-ह्यून सहित येओल के मार्शल लॉ लगाने में उनकी कथित भूमिका के लिए दोषी ठहराए गए अन्य लोगों के साथ विलय किया जाए या नहीं।

पाकिस्तान में 14 आतंकवादियों के सिर पर भारी भरकम इनाम

इस्लामाबाद

खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने प्रांत के सबसे अशांत कुर्रम जिले में खूनखराबा कर रहे 14 आतंकवादियों को जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर इनाम घोषित किया है। सरकारी अधिसूचना में इनाम की अनुमानित राशि लगभग 130 मिलियन रुपये बताई गई है। सबसे ज्यादा इनाम 30 मिलियन रुपये खूंखार आतंकवादी काजिम के लिए घोषित किया गया है। बाकी 13 आतंकियों पर 10 लाख रुपये से लेकर एक करोड़ रुपये तक का इनाम है। अधिसूचना में कहा गया है कि सूचना देने वालों के नाम गोपनीय रखे जाएंगे। यह निर्णय क्षेत्र आतंकवाद से लड़ने के सरकार के मजबूत प्रयासों के हिस्से के रूप में आया है। कुर्रम में आतंकवादियों के सिर पर इनाम का उद्देश्य जनता को महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करने के लिए प्रेरित करना है। हाल ही में कुर्रम के विभिन्न इलाकों से 10 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया है। यह आतंकवादी 17 फरवरी को एक काफिले पर हुए

हमले में शामिल थे। प्रांत के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने कहा कि विदेशी तत्व आतंकवादियों को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करा रहे हैं। बाहरी ताकतें पूरे पाकिस्तान को आग में झोंकना चाहती हैं। हम पीछे नहीं हटे। कोई भी आतंकवादी जीवित नहीं बचेगा। उल्लेखनीय है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने सुरक्षा बलों और सहायता काफिलों पर लगातार हो रहे हमलों के मद्देनजर कुर्रम जिले को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए बड़ा अभियान शुरू किया है।

निमिशा प्रिया के मुददे पर भारत के साथ ईरान, ईरानी विदेश मंत्री ने मामले में हूती विद्रोहियों से बात की

तेहरान। ईरान ने फिर भारत से अपनी गहरी दोस्ती को निभाई है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर के अनुरोध के बाद ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने यमन के हूती विद्रोहियों के वरिष्ठ दूत से पूर्व भारतीय नर्स निमिशा प्रिया का मुद्दा उठाया है। 37 साल की निमिशा को अपने यमनी बिजनस पार्टनर की हत्या के लिए साल 2020 में दोषी ठहराया गया था। उन्हें एक यमनी सर्वोच्च अदालत से मौत की सजा सुनाई है। इसके पहले जयशंकर ने मस्कट में ईरानी विदेश मंत्री से हूतियों को मनाने के लिए अनुरोध किया था। ईरान और हूतियों के बीच बहुत ही अच्छे संबंध हैं और दोनों इजरायल के खिलाफ लड़ाई में एक साथ हैं। ईरान ही हूतियों को हथियारों की सप्लाई करने वाला प्रमुख देश है। ईरानी विदेश मंत्री अराघची ने इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने हूतियों के विशेष दूत अंसार अल्लाह से तत्काल बात की है। यमन के काफी ज्यादा हिस्से पर हूतियों का ही कब्जा है। निमिशा भी हूतियों के कब्जे में ही है। अराघची ने कहा, हम आशावान हैं। मैंने अब्दुल सलाम से बात भी की है। मैंने सलाम से केस के बारे में बात की है और हूती दूत ने आश्वासन दिया है कि वह इस दिशा में आगे बढ़ने का रास्ता तलाश करने में प्रयास करने वाले है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक ईरानी विदेश मंत्री और हूती दूत के बीच मस्कट में मुलाकात हुई है। इसमें गाजा सीजफायर सहित क्षेत्रीय घटनाक्रम पर चर्चा हुई है। 37 साल की निमिशा प्रिया केरल निवासी हैं और साल 2017 में उन पर अपने यमनी बिजनस पार्टनर की हत्या करने का आरोप है।